Half yearly Exam - 12th
Answer key.

I.

1) (2) चाँदनी ;
2) (1) मान से ;
3)
4) (1) उमा ;
5) (2) स्वतंत्रता ।
6) (2) तीन ,
7) (2) निर्मला

8) (1) के ।
9) (1) ने ; अन
10) (3) श्री वृन्दावनलाल शर्मा,
11) (2) पर ,
12) (2) है - मैन ,
13) (2) ने ,
14) (3) श्रीमती सत्यवती मलिक

भाग - II

II. (only key Points included).

15) कालजयी
16) समस्त खट्टे - मीठे अनुभव , कोमल - तीखी अनुभूति ।
18) लगातार अभ्यास से ,
17)

19. अहिंसा , त्याग , सत्याग्रह से ,
20. संविधान में सभी नागरिकों के लिए दिए गए अधिकारों को मूल - - -
21. मन में होने वाले विकार ,

22. परमानंद , ; रमेश ,
23. वायुसेना ; उपाधि
24. राजीव - व्यक्तिवाचक संज्ञा , पुल्लिंग , एक वचन , ।
शोर
25. माताजी से खाना बनायी जाती है ,
26. पुलिस चोर को पकड़ती है ,
27. राम के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है ,
28. वह कपड़ा धो रहा है ,
29. सब उसकी तारीफ करते हैं ,
(a) सब लोग उसकी ____

TNPL

queries , mail to rama.rk980@gmail.com

Scanned by CamScanner

30. राम रोटी खाता है।

(ई)

अ)

31. कवि परिचय। (Key Point).
तुलसीदास - जन्म 1554, पिता - आत्माराम दुबे, माता - हुलसी। मूल नक्षत्र में जन्म। माँ-बाप ने त्याग दिया।

अथवा - (will begin at Last).

33. श्याम मिटे, सूरज मिटे, पर वह अपनी सच्चाई पर अड़े रहे।

32. } Ref at Last
34 }

आ)

35. Provided Letter

36. Ref Last.

37. सजा पाना - कभी सजा पाना नहीं चाहती।
पालन करना - मैं तुम्हारे बातों का पालन करना नहीं चाहता।

38. Ref Last

39. Ref Last.

40. Correct order - (5) (3) (2) (1).

41. विनायक पन्द्रह साल का एक अनाथ लड़का था, अनाथालय में रोज सुबह बगीचे में पानी सींचता और पढ़ता था। वह नम्र और होशियार था। अध्यापक और दूसरे लड़के भी सम्मान करते थे।

42. परिश्रम मानव जीवन की बुनियाद है, इसके कारण, मनुष्य अपने सभी जरूरते पूरी करता है, यह एक मात्र माध्यम है हमारे उद्देश्यों को पाने का,

43. already given (Q.24)

E.

44. (a) → Last Page.
(b) → Book.

45. (a) Last Page

46. (a) — Last Page
(b) Book.

2. जाके प्रिय न राम वैदेही (सीता, जानकी, मैथली...)

संदर्भ : राम भक्ति पर लिखा गया है।

व्याख्या : तुलसी राम भक्त कवियों में श्रेष्ठ थे। वे अपने आप से (Self) कहते हैं कि हे मन तुम राम भक्ति में बने रहो जिसे राम और वैदेही से प्रेम न हो उसे कोटि वैरी (शत्रु) सम त्याग दो चाहे वह परम मित्र ही क्यों न हो (maybe) जिस प्रकार प्रह्लाद ने अपने पिता हिरण्य कश्यप को त्यागा, बलि महाराज ने अपने गुरु शुक्राचार्य को त्यागा, विभीषण ने अपने भाई रावण को त्याग, गोपिकाओं अपने पतियों को त्यागा वैसे राम के विरोधियों को त्याग दो अतः यह न देखना कि राम विरोधी तेरा संबंधि है या द्रोही अंजन लगाने से क्या दृष्टि चली जाती नहीं न। ऐसे उत्तम राम मेरे मन में बने रहे। यही मेरी आशा है।

question 31

Scanned by CamScanner

- कवि का कहना है कि जीवन में
जो कुछ भी स्वीकार है वे सब प्रियतमा के ही कारण है।
- प्रियतमा (love) के कारण ही खुशी से
गरीबी, गंभीर अनुभव, वैभवशाली जीवन, (splendid life)
दृढ़ता (firmness) सब स्वीकार किया।
- ये सब मन में प्रेम प्रवाह (flow) के कारण है।
- ये सब मौलिक (असली) है। → × नकली।
- यही मौलिकता (originality) उनको जागृत (alert)
रखती है। सोने नहीं देती।
- पता नहीं प्रियतमा से कैसा रिश्ता-नाता (relation)
है।
- प्रेमिका को भूल जाने का प्रयत्न (try)
करते-करते और अधिक याद आती है।
- उसकी याद तो मीठे पानी का सोता (brook)
लगता है। हमेशा उसी का चेहरा याद
आती रही है।
- अगर वह कवि को दंड देना चाहे तो
अमावस्या के अंधेरे में ढकेल दे। (push)
- ममता दंड देती है। आत्मीयता (closeness)
और कमजोर बनाती है।
- कमजोरी के कारण सब कुछ प्रियतमा
को ध्यान में रखकर सहर्ष स्वीकार किया है।

question 44(a), 32

भाई - बहन

सावित्री की दो संतानें थीं।
एक पुत्री तो दूसरा पुत्र था।
उनके नाम क्रमशः निर्मला और कमल थे।
निर्मला बड़ी थी। वह हमेशा कमल की खिल्ली उड़ाती थी।
तो कमल ने माँ से शिकायत की।
माँ ने कहा - निर्मला तुम तो बड़ी हो याद रखो एक दिन तुम दोनों को बिछुड़ना पड़ेगा। जब तक साथ हो प्यार से रहो
मुहर्रम के शाम को जुलूस निकलनेवाला था।
कमल बहन * निर्मला के साथ सीता के घर से जुलूस देखने देने की अनुमति माँगी
भीड़ ज्यादा थी तो कमल कहीं गुम हो गया।
तो निर्मला रोने लगी
उसने हकलाते हुए माँ से कहा -
क... क... कमल का पता नहीं है।
सावित्री ने सोचा - कमल कहीं दूकान के पास होगा या नौकर के साथ होगा
थोड़ी देर में भीड़ जा (illegible) चुकी थी।
पड़ोसी डाक्टर का नौकर कमल को लिवा लाया।
कमल को देखकर निर्मला खुश हुई
तब सावित्री को पता चला
पृथकता किस प्रकार लोगों को पास लाती है।

Question 46(a)